प्रोजेक्ट अलंकार

चर्चा में क्यों?

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान **उत्तर प्रदेश सरकार की शैक्षिक सुधार पहल 'प्रोजेक्ट अलंकार'** की व्यापक रूप से सराहना की गई।

मुख्य बिंदु

- **प्रोजेक्ट अलंकार के बारे में:**
  - इसे 1 अक्तूबर 2021 को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लॉन्च किया गया था।
  - इसका लक्ष्य 2,441 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में 35 बुनियादी ढाँचे और सुविधा मानदंडों का 100% अनुपालन सुनिश्चित करना है।
  - इसका प्राथमिक लक्ष्य राज्य के विद्यार्थियों के लिये अधिक अनुकूल, समावेशी और आधुनिक शिक्षण वातावरण तैयार करना है।
- **विशेषताएँ:**
  - नवनिर्मित कक्षाओं, विज्ञान प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, कंप्यूटर प्रयोगशालाओं और स्मार्ट कक्षाओं सहित **भौतिक बुनियादी ढाँचे का उन्नयन।**
  - स्वच्छ पेयजल और स्वच्छ शौचालय जैसी **आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान, विशेष रूप से लड़कियों की स्वच्छता सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित करना।**
- **योजना के अंतर्गत विशिष्ट विद्यालयों का विकास:**
  - **मुख्यमंत्री आदर्श विद्यालय** (प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक) और **मुख्यमंत्री अभ्युदय विद्यालय** (प्री-प्राइमरी से कक्षा 8 तक) भी विकसित किये जा रहे हैं।
  - **इन स्कूलों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM)** प्रयोगशालाएँ, कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ आदि सहित अत्याधुनिक सुविधाएँ हैं।
  - प्रत्येक अभ्युदय स्कूल में 450 विद्यार्थियों की क्षमता है तथा विकास के लिये 1.42 करोड़ रुपए आवंटित किये गए हैं।
  - **7 ज़िलों में 141 संस्कृत विद्यालयों का नवीनीकरण और आधुनिकीकरण,** उनके पुनरुद्धार के लिये 14.94 करोड़ रुपए की समर्पित निधि।
- **वित्तपोषण और कार्यान्वयन:**
  - प्रोजेक्ट अलंकार के वित्तपोषण स्रोतों में राज्य सरकार, **समग्र शिक्षा अभियान**, **ग्राम पंचायतें**, **शहरी स्थानीय निकाय**, कॉर्पोरेट **सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) योगदान** और स्वैच्छिक दान शामिल हैं।
  - कार्यान्वयन की **कड़ी निगरानी ज़िला मजिस्ट्रेटों की अध्यक्षता वाली ज़िला स्तरीय समितियों द्वारा की** जाती है तथा राज्य शिक्षा निदेशक इसकी देखरेख करते हैं।
- **प्रभाव और परिणाम:**
  - **वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (ASER) 2024** के अनुसार, वर्ष 2022-23 और 2024-25 के बीच सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में नामांकन में **23% की वृद्धि हुई।**
  - प्राथमिक विद्यालय में उपस्थिति (कक्षा 1-5) वर्ष 2010 से 2024 तक **11.5% बढ़ी,** जबकि उच्च प्राथमिक उपस्थिति (कक्षा 6-8) वर्ष 2018 और 2024 के बीच 9.6% बढ़ी - जो **देश में सबसे अधिक है।**
  - स्कूल पुस्तकालयों के उपयोग में 55.2% की वृद्धि हुई तथा बालिकाओं की शौचालय सुविधाओं तक पहुँच में 54.4% सुधार हुआ, जो **बेहतर स्वच्छता और शिक्षण सहायता को दर्शाता है।**

समग्र शिक्षा अभियान

- **परिचय:** केंद्रीय बजट 2018-19 में प्रस्तुत, **समग्र शिक्षा** एक व्यापक कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत समान शिक्षण परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से **प्री-नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक** के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **योजनाओं का एकीकरण:** इसमें पहले की तीन योजनाएँ सम्मिलित हैं:
    - **सर्व शिक्षा अभियान (SSA):** सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा पर केंद्रित।
    - **राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA):** इसका उद्देश्य माध्यमिक शिक्षा है।
    - **शिक्षक शिक्षा (TE):** शिक्षकों के प्रशिक्षण पर केंद्रित।
  - **क्षेत्र-व्यापी विकास दृष्टिकोण:** इस अभियान के अंतर्गत खंडित परियोजना-आधारित उद्देश्यों के स्थान पर **सभी स्तरों (राज्य, ज़िला और उप-ज़िला) पर कार्यान्वयन** को सुव्यवस्थित किया गया है।
  - **सतत् विकास लक्ष्यों के साथ संरेखण:** लैंगिक असमानताओं को समाप्त करते हुए और सुभेद्य समूहों **(SDG 4.1)** के लिये पहुँच सुनिश्चित करते हुए निःशुल्क, समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा **सुनिश्चित की जाती है** **(SDG 4.5)**।
  - **कार्यान्वयन:** यह केंद्र प्रायोजित योजना (CSS) है, जिसका कार्यान्वयन **राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्तर** पर **एकल राज्य कार्यान्वयन सोसायटी (SIS)** के माध्यम से किया जाता है।
    - SIS एक **राज्य-पंजीकृत निकाय है** जो **CSS** और **विकास कार्यक्रमों** का क्रियान्वन करता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/project-alankar-1